



Radheshyam gaur

31 May 1951

07:05 AM

Kolaras

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120908002

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 31/05/1951 : _____ जन्म तिथि _____ : 31/05/2026
 गुरुवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 07:05:00 : _____ जन्म समय _____ : 12:33:49 घंटे
 घटी 03:57:49 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 17:40:12 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Kolaras : _____ स्थान _____ : Kolaras
 उत्तर 25:14:00 : _____ अक्षांश _____ : 25:14:00 उत्तर
 पूर्व 77:36:00 : _____ रेखांश _____ : 77:36:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:19:36 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:19:36 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:29:52 : _____ सूर्योदय _____ : 05:29:44
 19:04:38 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:05:00
 23:10:46 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:40
 मिथुन : _____ लग्न _____ : सिंह
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : सूर्य
 मीन : _____ राशि _____ : वृश्चिक
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 रेवती : _____ नक्षत्र _____ : अनुराधा
 बुध : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शनि
 3 : _____ चरण _____ : 4
 आयुष्मान : _____ योग _____ : सिद्ध
 बालव : _____ करण _____ : बव
 चा-चाणक्य : _____ जन्म नामाक्षर _____ : ने-नैनी
 मिथुन : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मिथुन
 विप्र : _____ वर्ण _____ : विप्र
 जलचर : _____ वश्य _____ : कीटक
 गज : _____ योनि _____ : मृग
 देव : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : मध्य
 सिंह : _____ वर्ग _____ : सर्प
 75 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 76



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आर्द्रा	1	07:38:25	मिथु			लग्न			सिंह	19:50:17	2	पू०फाल्गुनी
रोहिणी	2	15:38:04	वृष			सूर्य			वृष	15:38:04	2	रोहिणी
रेवती	3	23:58:42	मीन			चंद्र			वृश्चि	14:52:00	4	अनुराधा
रोहिणी	2	13:28:06	वृष			मंगल			मेष	15:00:32	1	भरणी
भरणी	3	22:12:30	मेष			बुध			मिथु	03:41:58	4	मृगशिरा
उ०भाद्रपद	4	14:47:03	मीन			गुरु			मिथु	29:42:25	3	पुनर्वसु
पुनर्वसु	3	29:08:45	मिथु			शुक्र			मिथु	20:20:02	1	पुनर्वसु
उ०फाल्गुनी	2	02:21:50	कन्या			शनि			मीन	17:57:25	1	रेवती
पू०भाद्रपद	1	22:11:12	कुंभ व			राहु व			कुंभ	09:32:21	1	शतभिषा
पू०फाल्गुनी	3	22:11:12	सिंह व			केतु व			सिंह	09:32:21	3	मघा
आर्द्रा	3	14:37:05	मिथु			मु			कन्या	07:38:25	4	उ०फाल्गुनी

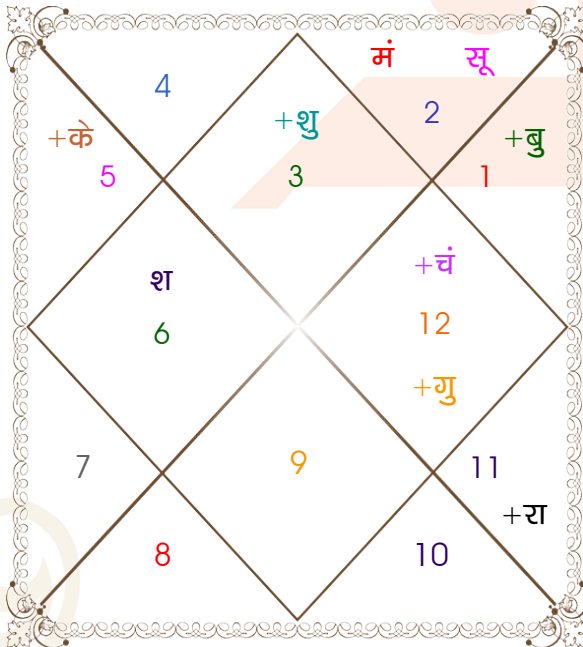
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

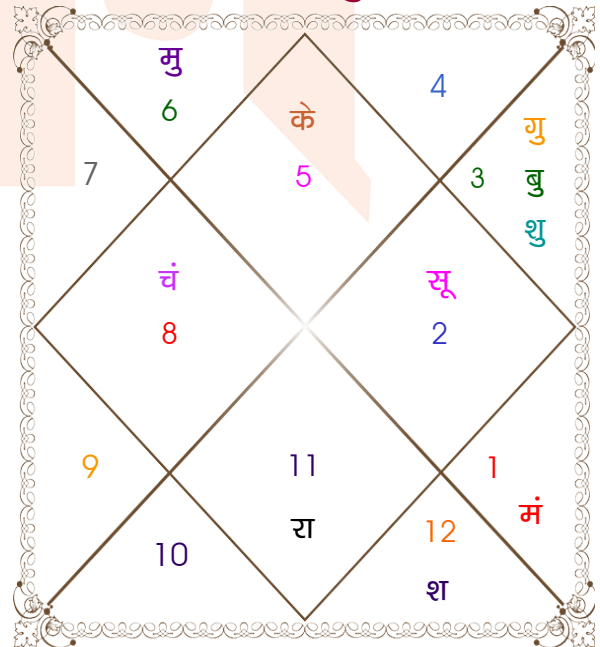
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:40

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - चंद्र - सूर्य	राहु - मंगल - मंगल	राहु - मंगल - राहु	राहु - मंगल - गुरु
18/12/2025 14:12	14/01/2026 23:39	06/02/2026 08:34	04/04/2026 21:12
14/01/2026 23:39	06/02/2026 08:34	04/04/2026 21:12	26/05/2026 00:27
सूर्य 19/12/2025 23:04	मंगल 16/01/2026 06:58	राहु 14/02/2026 23:39	गुरु 11/04/2026 16:50
चंद्र 22/12/2025 05:51	राहु 19/01/2026 15:30	गुरु 22/02/2026 15:45	शनि 19/04/2026 19:09
मंगल 23/12/2025 20:12	गुरु 22/01/2026 15:05	शनि 03/03/2026 18:21	बुध 27/04/2026 01:01
राहु 27/12/2025 22:49	शनि 26/01/2026 04:06	बुध 11/03/2026 21:56	केतु 30/04/2026 00:36
गुरु 31/12/2025 14:29	बुध 29/01/2026 08:10	केतु 15/03/2026 06:28	शुक्र 08/05/2026 13:08
शनि 04/01/2026 22:35	केतु 30/01/2026 15:29	शुक्र 24/03/2026 20:35	सूर्य 11/05/2026 02:30
बुध 08/01/2026 19:43	शुक्र 03/02/2026 08:58	सूर्य 27/03/2026 17:37	चंद्र 15/05/2026 08:46
केतु 10/01/2026 10:04	सूर्य 04/02/2026 11:49	चंद्र 01/04/2026 12:40	मंगल 18/05/2026 08:22
शुक्र 14/01/2026 23:39	चंद्र 06/02/2026 08:34	मंगल 04/04/2026 21:12	राहु 26/05/2026 00:27
राहु - मंगल - शनि	राहु - मंगल - बुध	राहु - मंगल - केतु	राहु - मंगल - शुक्र
26/05/2026 00:27	25/07/2026 17:48	18/09/2026 01:44	10/10/2026 10:39
25/07/2026 17:48	18/09/2026 01:44	10/10/2026 10:39	13/12/2026 08:42
शनि 04/06/2026 15:11	बुध 02/08/2026 10:31	केतु 19/09/2026 09:03	शुक्र 21/10/2026 02:20
बुध 13/06/2026 05:39	केतु 05/08/2026 14:35	शुक्र 23/09/2026 02:32	सूर्य 24/10/2026 07:02
केतु 16/06/2026 18:40	शुक्र 14/08/2026 15:54	सूर्य 24/09/2026 05:23	चंद्र 29/10/2026 14:52
शुक्र 26/06/2026 21:33	सूर्य 17/08/2026 09:06	चंद्र 26/09/2026 02:08	मंगल 02/11/2026 08:21
सूर्य 29/06/2026 22:25	चंद्र 21/08/2026 21:46	मंगल 27/09/2026 09:27	राहु 11/11/2026 22:28
चंद्र 04/07/2026 23:52	मंगल 25/08/2026 01:50	राहु 30/09/2026 17:59	गुरु 20/11/2026 11:00
मंगल 08/07/2026 12:53	राहु 02/09/2026 05:25	गुरु 03/10/2026 17:35	शनि 30/11/2026 13:54
राहु 17/07/2026 15:29	गुरु 09/09/2026 11:17	शनि 07/10/2026 06:35	बुध 09/12/2026 15:13
गुरु 25/07/2026 17:48	शनि 18/09/2026 01:44	बुध 10/10/2026 10:39	केतु 13/12/2026 08:42
राहु - मंगल - सूर्य	राहु - मंगल - चंद्र	गुरु - गुरु - गुरु	गुरु - गुरु - शनि
13/12/2026 08:42	01/01/2027 12:55	02/02/2027 11:57	17/05/2027 09:23
01/01/2027 12:55	02/02/2027 11:57	17/05/2027 09:23	17/09/2027 18:21
सूर्य 14/12/2026 07:43	चंद्र 04/01/2027 04:50	गुरु 16/02/2027 08:24	शनि 05/06/2027 22:12
चंद्र 15/12/2026 22:04	मंगल 06/01/2027 01:35	शनि 04/03/2027 19:12	बुध 23/06/2027 09:40
मंगल 17/12/2026 00:55	राहु 10/01/2027 20:38	बुध 19/03/2027 12:26	केतु 30/06/2027 14:24
राहु 19/12/2026 21:57	गुरु 15/01/2027 02:54	केतु 25/03/2027 13:53	शुक्र 21/07/2027 03:53
गुरु 22/12/2026 11:18	शनि 20/01/2027 04:21	शुक्र 11/04/2027 21:27	सूर्य 27/07/2027 07:56
शनि 25/12/2026 12:10	बुध 24/01/2027 17:01	सूर्य 17/04/2027 02:08	चंद्र 06/08/2027 14:41
बुध 28/12/2026 05:22	केतु 26/01/2027 13:45	चंद्र 25/04/2027 17:55	मंगल 13/08/2027 19:24
केतु 29/12/2026 08:13	शुक्र 31/01/2027 21:35	मंगल 01/05/2027 19:22	राहु 01/09/2027 07:33
शुक्र 01/01/2027 12:55	सूर्य 02/02/2027 11:57	राहु 17/05/2027 09:23	गुरु 17/09/2027 18:21

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।

ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।

हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आप के लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे। मानसिक स्थिति इस समय सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं व्याकुलता का भाव मन में बना रहेगा। शत्रु तथा विरोधी पक्ष यदा कदा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेगा परन्तु स्वबुद्धिबल से आप उनका दमन करने में समर्थ रहेंगे। लेखन एवं अध्ययन के प्रति इस वर्ष में आप परिश्रम शील रहेंगे साथ ही कलाओं का ज्ञान भी न्यूनाधिक मात्रा में अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आप अपने व्यवहार के द्वारा अन्य जनों पर सामान्य प्रभाव डालने में समर्थ हो सकेंगे। साथ ही समयोचित तत्काल प्रत्युत्तर देने में आप चतुराई का प्रदर्शन करेंगे। गणित या अन्य ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में भी आपको किंचित सफलता इस वर्ष में प्राप्त हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष सामान्य ही रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी परन्तु उसमें परिश्रम की अधिकता रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग में भी यदा कदा व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें विलम्ब तथा रुकावटें आएंगी। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से भी आपके संबंध मध्यम ही रहेंगे। अतः इनसे भी कोई विशेष लाभ या सहयोग की प्राप्ति नहीं होगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी संतोषप्रद ही रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही सामाजिक मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश भी सामान्य ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक मात्रा में सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए आप का यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_**_***

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्टान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रुचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रुचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।